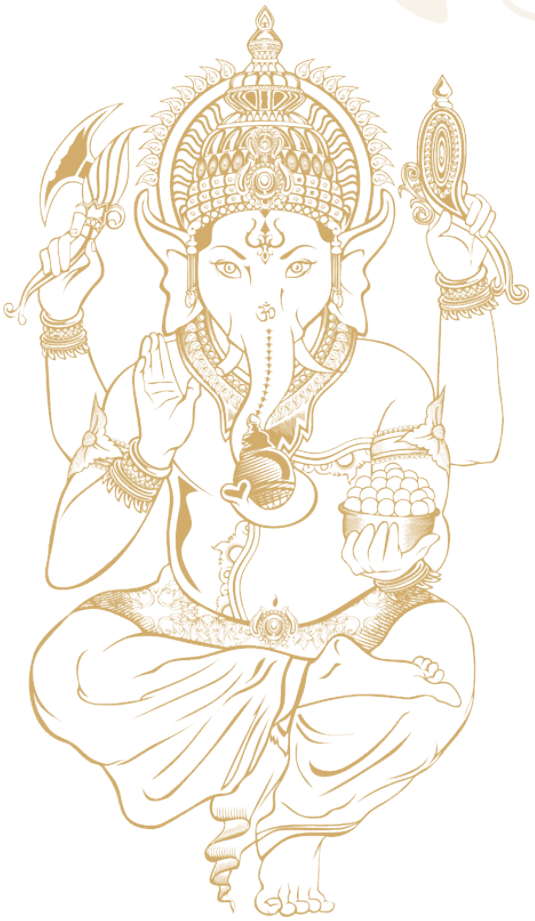

Rahul

03 Sep 1994

02:30 PM

Jammu

Model: web-freekundliweb

Order No: 121100302

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**03/09/1994**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**14:30:00 घंटे**
इष्ट	20:59:28 घटी
स्थान	**Jammu**
राज्य	Jammu and Kashmi
देश	India

अक्षांश	32:42:00 उत्तर
रेखांश	74:52:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:30:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:59:28 घंटे
वेलान्तर	00:00:31 घंटे
साम्पातिक काल	12:48:32 घंटे
सूर्योदय	06:06:12 घंटे
सूर्यास्त	18:53:10 घंटे
दिनमान	12:46:58 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	16:51:06 सिंह
लग्न के अंश	02:33:32 धनु

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	धनु - गुरु
राशि-स्वामी	**कर्क - चन्द्र**
नक्षत्र-चरण	**पुष्य - 4**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	परिघ
करण	गर
गण	देव
योनि	मेष
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	डा-डालचंद
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			धनु	02:33:32	325:10:44	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	16:51:06	00:58:08	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मूलत्रिकोण
चंद्र			कर्क	15:51:18	13:27:27	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	गुरु	स्वराशि
मंगल			मिथु	17:29:26	00:37:41	आर्द्रा	4	6	बुध	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
बुध			कन्या	04:54:34	01:34:46	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	शनि	उच्च राशि
गुरु			तुला	16:23:04	00:09:23	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	02:28:01	00:53:05	चित्रा	3	14	शुक्र	मंगल	केतु	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	15:05:46	00:04:34	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	23:28:59	00:09:54	विशाखा	2	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	23:28:59	00:09:54	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:56:03	00:01:21	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	27:00:52	00:00:54	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	01:43:18	00:00:57	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कन्या	19:24:36	--	हस्त	--	13	बुध	चंद्र	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:11

लग्न-चलित

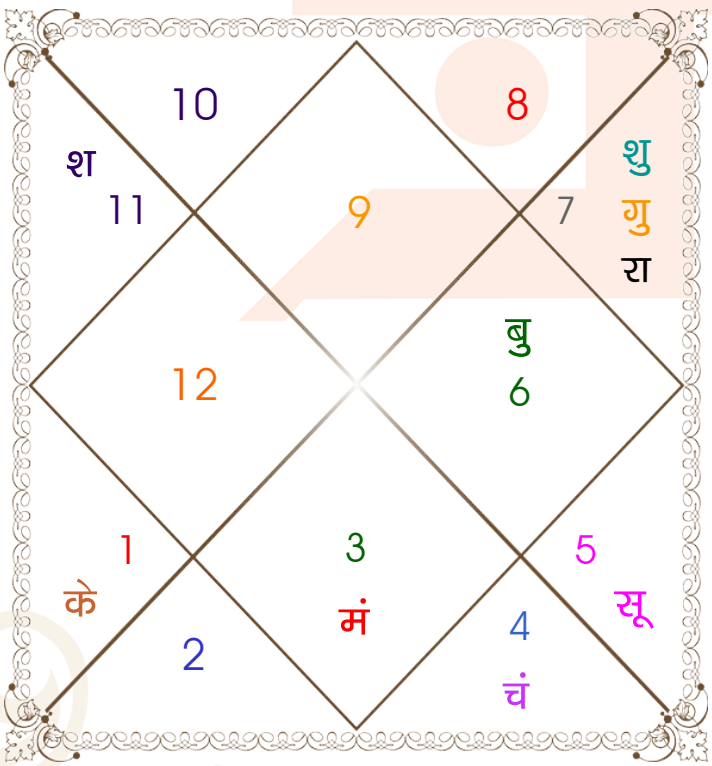

चन्द्र कुंडली

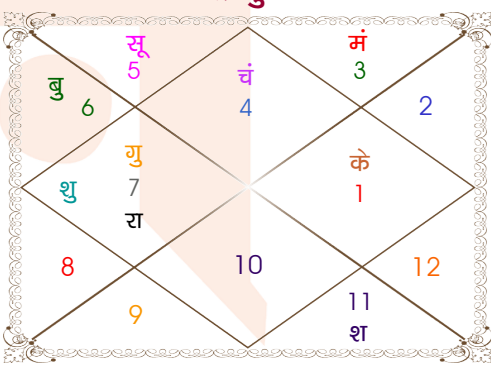

नवमांश कुंडली

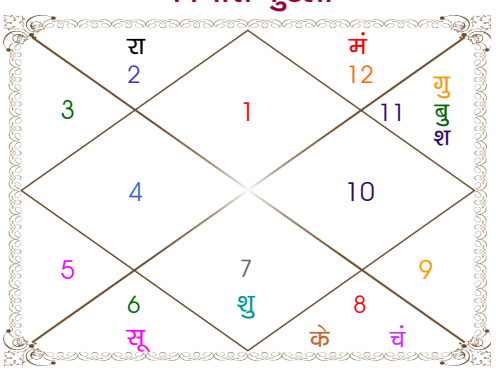

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 1 वर्ष 1 मास 26 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
03/09/1994		30/10/1995		30/10/2012		30/10/2019		30/10/2039	
30/10/1995		30/10/2012		30/10/2019		30/10/2039		30/10/2045	
	00/00/0000	बुध	28/03/1998	केतु	28/03/2013	शुक्र	01/03/2023	सूर्य	17/02/2040
	00/00/0000	केतु	25/03/1999	शुक्र	28/05/2014	सूर्य	29/02/2024	चंद्र	18/08/2040
	00/00/0000	शुक्र	23/01/2002	सूर्य	03/10/2014	चंद्र	30/10/2025	मंगल	24/12/2040
	00/00/0000	सूर्य	30/11/2002	चंद्र	04/05/2015	मंगल	30/12/2026	राहु	17/11/2041
	00/00/0000	चंद्र	30/04/2004	मंगल	30/09/2015	राहु	30/12/2029	गुरु	05/09/2042
	00/00/0000	मंगल	27/04/2005	राहु	18/10/2016	गुरु	30/08/2032	शनि	18/08/2043
	00/00/0000	राहु	15/11/2007	गुरु	23/09/2017	शनि	30/10/2035	बुध	24/06/2044
	03/09/1994	गुरु	20/02/2010	शनि	02/11/2018	बुध	30/08/2038	केतु	30/10/2044
गुरु	30/10/1995	शनि	30/10/2012	बुध	30/10/2019	केतु	30/10/2039	शुक्र	30/10/2045

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
30/10/2045		30/10/2055		30/10/2062		30/10/2080		30/10/2096	
30/10/2055		30/10/2062		30/10/2080		30/10/2096		04/09/2114	
चंद्र	30/08/2046	मंगल	28/03/2056	राहु	12/07/2065	गुरु	18/12/2082	शनि	03/11/2099
मंगल	31/03/2047	राहु	15/04/2057	गुरु	06/12/2067	शनि	30/06/2085	बुध	14/07/2102
राहु	29/09/2048	गुरु	22/03/2058	शनि	12/10/2070	बुध	06/10/2087	केतु	22/08/2103
गुरु	29/01/2050	शनि	01/05/2059	बुध	30/04/2073	केतु	11/09/2088	शुक्र	22/10/2106
शनि	31/08/2051	बुध	27/04/2060	केतु	19/05/2074	शुक्र	13/05/2091	सूर्य	04/10/2107
बुध	29/01/2053	केतु	23/09/2060	शुक्र	19/05/2077	सूर्य	29/02/2092	चंद्र	04/05/2109
केतु	30/08/2053	शुक्र	23/11/2061	सूर्य	12/04/2078	चंद्र	30/06/2093	मंगल	13/06/2110
शुक्र	01/05/2055	सूर्य	31/03/2062	चंद्र	12/10/2079	मंगल	06/06/2094	राहु	19/04/2113
सूर्य	30/10/2055	चंद्र	30/10/2062	मंगल	30/10/2080	राहु	30/10/2096	गुरु	04/09/2114

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 1 वर्ष 1 मा 20 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपके जन्म कालिक ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपका जन्म मूल नक्षत्र के प्रथम चरण में धनु लग्न के उदय काल में हुआ था। आपके जन्म काल धनु लग्न के साथ-साथ मेष का नवमांश एवं धनु राशि का द्रेष्काण भी मेदिनीय क्षितिज पर उदित था। जन्म प्रभाव से यह दृश्य हो रहा कि आप व्यक्तिगत रूप से शक्तिवान धन-वैभव से संपन्न एवं निश्चिन्तता पूर्वक जीवन यापन करने वाले प्राणी हैं। आपकी कुशाग्र बुद्धिमता के पत्ते का खेल तब प्रारंभ होगा। जबकि आपकी आयु 27 वर्ष की होगी और यह समयावधि 31 वर्ष तक अति अनुकूल प्रतीत हो रहा है। क्योकि उसके बाद ही आपको अच्छी प्रकार यह अनुभव होगा कि अब जीवन पथ पर किस प्रकार चलना चाहिए। इसके बाद ही आपको आर्थिक लाभांश प्राप्ति का सुअवसर प्राप्त भी हो सकता है।

आपके लिए यह शिक्षा ग्राह्यनीय है कि आप अपनी बोली पर नियंत्रण रखें। क्योंकि आप निर्भिकता पूर्वक कटु सत्य बोलते रहते हैं। परंतु यह नहीं सोचते हैं कि बातों का सुनने वालों के मन में क्या प्रतिक्रिया होगी। क्योंकि सत्य सदैव पीड़ा कारक होता है। इस कारणवश आपके अधिकांश मित्र आपकी कटु सत्य विचारों को आत्मसात नहीं कर पाते तथा आपके शत्रु बन जाते हैं। जबकि आपके अभिभावक एवं आपमें भातृ बंधु आपकी अति वाचालिक प्रवृति को पसंद नहीं करते। इस परिस्थिति में आप इस प्रकार विस्तृत बिंदु पर नहीं पहुंच सकते। आप चिंतन कर सकते है कि किसी के भी साथ किस प्रकार निर्वाह करेंगे।

साथ-साथ घरेलू मामले में आपको अपनी भाषा पर अतिशय नियंत्रण रखना चाहिए ताकि गृहस्थ जीवन को अबाधगति से संचलन में कोई व्यवधान उपस्थित न हो। जब आप अपनी संतान के साथ वार्तालाप करें तो सावधानी पूर्वक आचरण करे। आपको अपनी धारणाओं के प्रति सदैव आश्वस्त रहना चाहिए। आप अपनी प्यारी पत्नी एवं अत्ति श्रद्धावान पुत्रों से युक्त अपना समधुर पारिवारिक जीवन बिताएंगे। आप इस प्रकरण को किस प्रकार अनुकूलता प्रदान करेंगे। यह आप की विचार शैली एवं कार्य शैली पर निर्भर करता है।

आप समृद्धिवान होकर स्वास्थ्य जीवन का आनंद प्राप्त करेंगे। आपकी अत्यधिक अभिरूचि खेलकूद का प्रदर्शन करने एवं वाह्य हाव भाव को दिखाने में रहती है। आप निर्भयता पूर्वक यात्रा करना पसंद करते हैं। इस प्रकार आप अपने समय को घर पर नहीं बिताते है। यह अच्छी बात हैं क्योंकि आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृति के दुष्प्रभाव से लोग बच जाएंगे और घर में किसी भी प्रकार का क्लेशादि नहीं होगा।

आप धार्मिक क्षेत्र में अग्रसर होकर ध्यान मग्न होने के संबंध में उच्च स्तरीय विचार रखते हैं। आप धर्म एवं भारतीय दर्शन के विकास हेतु व्यक्तिगत रूप से पूर्ण रूचिवान होना एक सुअवसर की प्राप्ति का सौभाग्य समझते हैं। आप तीर्थ स्थलों का परिदर्शन करेंगे एवं दान-धर्म में आर्थिक योगदान करेंगे।

आपके जीवन का उत्कृष्ट भाग यह है कि आप अत्युत्तम स्वास्थ्य का आनंद प्राप्त करेंगे। परंतु ऐसा संयोग उपस्थित हो सकता है कि जैसे अस्थमा, जोड़ों का दर्द एवं कोई अंग

प्रत्यंग टूटने जैसे रोगों से आप प्रभावित हो सकते हैं। आपके लिए सरल उपाय यह है कि आप इन रोगों के प्रति सतर्कता बरतें।

धनु राशीय प्रभावानुसार आपके लिए व्यावसायों में अनुकूल व्यवसाय राजनीति है। अन्य दूसरा सुंदर व्यवसाय जन सामान्य के मध्य सुवक्ता, भाषण देने वाला बनें। शिक्षण कार्य, अथवा बैंक की नौकरी भी अनुकूल है। अन्यथा आप धार्मिक कार्य, पराविद्या का ज्ञान, धार्मिक संस्थानों से संबंद्ध भी हो सकते हैं। प्रकाशन संबंधी कार्य भी आपको पारिश्रमिक दिला सकता है। इसके अतिरिक्त व्यवसायिक अन्य क्षेत्रों में विधि विधान, विदाई कार्य, अभियंत्रिकी, ठेकेदारी एवं वैदेशिक व्यवसायिक निर्धारण कार्य उत्तम हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में मंगलवार, गुरुवार, एवं रविवार का दिन बहुत उत्तम प्रमाणित होगा। शुक्रवार एवं शनिवार का दिन एकदम खराब है।

आपके लिए अंकों में अनुकूल अंक 3, 5, 6 एवं 8 अंक हैं। कृपया स्पष्टतः अंक 2, 7 एवं 9 अंक प्रतिकूल हैं।

आपके लिए रंगों में प्रतिकूल रंग लाल, काला एवं सफेद रंग है। आप रंग नीला, हरा, मरकत रंग, नारंगी, सफेद एवं क्रीम रंग लाभदायक प्रमाणित होंगे।